मनासा नहीं, नीमच में निकला जीबीएस का पहला मरीज़

▸ प्रशासन बेख़बर रहा, पांच दिन में ढाई लाख के इंजेक्शन... गरीब की सांसों पर भारी इलाज

नीमच। गिलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) जैसी घातक और दुर्लभ बीमारी को लेकर जिले में मचे हड़कंप के बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने स्वास्थ्य तंत्र, डॉक्टरों की दक्षता और प्रशासनिक दावों की पोल खोलकर रख दी है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस बीमारी को प्रशासन मनासा से जोड़ रहा है, उसका पहला पुष्ट मामला नीमच में 24 दिसंबर को ही सामने आ चुका था, लेकिन न डॉक्टर बीमारी पहचान पाए और न प्रशासन को भनक लगी।

- बगीचा नंबर-13, नीमच निवासी 65 वर्षीय गुलाबसिंह जादोन, पिता मदनसिंह जादोन, बीते 24 दिनों से जीबीएस जैसी जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। मरीज के अनुसार, बीमारी से पहले उन्हें किसी भी तरह की कोई तकलीफ नहीं थी। अचानक कमर दर्द शुरू हुआ, फिर हाथ-पैरों ने साथ छोड़ दिया। नसों में जकड़न बढ़ती चली गई और स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि जुबान तक काम करना बंद कर गई।

चार अस्पतालों में इलाज चला, लाखों रुपये खर्च हुए, लेकिन बीमारी की सही पहचान नहीं हो सकी। आज हालत यह है कि मरीज सिर्फ बोल पा रहे हैं, खड़े होने की ताकत अब भी शरीर में नहीं लौटी।

चार दिन, दो बड़े अस्पताल, फिर भी बीमारी नहीं पकड़ी-मरीज के पुत्र अजय जादोन ने अपने पिता का इलाज नीमच के आशा हॉस्पिटल (डॉ. अभिषेक तिवारी) और श्रीराम हॉस्पिटल (डॉ. सुरेश कुमावत) में करवाया।

चार दिन तक चले इलाज के बावजूद जिले के ये दोनों बड़े अस्पताल बीमारी की गंभीरता नहीं समझ पाए, न ही जीबीएस की पुष्टि कर सके। हालत बिगड़ने पर मरीज को बड़नगर के काबरा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां हजारों की जांच के बाद डॉक्टरों ने जीबीएस की पुष्टि की और तत्काल आईवीआईजी इंजेक्शन शुरू कराने की सलाह दी।

उदयपुर में लगी मुहर, फिर शुरू हुआ महंगा इलाज-बीमारी की दोबारा पुष्टि और बेहतर इलाज के लिए परिजन मरीज को उदयपुर के गीतांजलि हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। यहां बड़नगर की रिपोर्ट की पुष्टि हुई और डॉक्टरों ने पांच दिन तक रोजाना पांचआईवीआईजीइंजेक्शन लगाने का प्रोटोकॉल बताया। एक इंजेक्शन की कीमत: 10, हजार रुपये। कुल 25 इंजेक्शन लगना है। कुल खर्च लगभग 2,50,000 (ढाई लाख रुपये) आएगा।

> **मनासा में अब तक 2 बच्चों की मौत, 17 संदिग्ध मरीज**
>
> नीमच में वार्ड नंबर-1, चावला कॉलोनी का एक संदिग्ध मरीज, इसका साफ मतलब है कि जीबीएस का पहला पुष्ट मरीज मनासा नहीं, बल्कि नीमच में था, लेकिन डॉक्टर बीमारी को समय रहते पहचान नहीं सके। जीबीएस में राहत की उम्मीद सिर्फ आईवीआईजीइंजेक्शन से बताई जा रही है, जिसकी कीमत आम आदमी की पहुंच से कोसों दूर है। डॉक्टरों के अनुसार इंजेक्शन मरीज के वजन के हिसाब से लगाए जाते हैं और इसमें लाखों रुपये का खर्च आता है। सबसे गंभीर सवाल यह है कि आयुष्मान कार्ड लागू नहीं है और सरकारी योजनाएं बेअसर साबित हो रही है।

> **24 दिन से मौत से जंग लड़ रहा बुजुर्ग**
>
> गुलाबसिंह जादोन 24 दिसंबर को जीबीएस से ग्रस्त हुए, जबकि प्रशासनिक रिकॉर्ड में नीमच में जीबीएस का खुलासा 13 जनवरी को दो बच्चों की मौत के बाद माना जा रहा है।

जीबीएस मरीज मिलने के बाद नपा अलर्ट : होटल, वाटर सप्लायरों की जांच

▸ क्लोरीन और टीडीएस कम मिलने प्लांट सील करने की चेतावनी

नीमच। नीमच शहर की चावला कॉलोनी के वार्ड नंबर-1 में गुलियन-बेरी सिंड्रोम (जीबीएस) का एक मरीज मिलने के बाद नगरपालिका प्रशासन एक्टिव हो गई है। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए, नपा की एक विशेष टीम ने शहर के व्यस्त इलाकों में जल स्रोतों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए पानी के सैंपल लिए।

नपा के केमिस्ट सुरेश पंवार और उनकी टीम ने सबसे पहले पुस्तक बाजार स्थित जैन पुस्तक भंडार के संचालक के निवास पर नगरपालिका कनेक्शन के पानी की जांच कर सैंपल लिया। इसके बाद टीम भारत माता (फोर जीरो) चौराहा के पास स्थित आरती पुड़ी भोजनालय पहुंची। यहां संचालक मुरली मंगानी की उपस्थिति में पानी की शुद्धता जांची गई।

पानी में क्लोरीन और टीडीएस की कमी पाई

जांच में पानी में क्लोरीन की कमी पाई गई और टीडीएस का स्तर मात्र 57 दर्ज किया गया। अधिकारियों ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संचालक को तत्काल वैकल्पिक शुद्ध पानी का उपयोग करने और साफ-सफाई के कड़े निर्देश दिए। इसके बाद, गोपावत चिल्ड वाटर के ललित पाटीदार के पानी के टेम्पो को रोककर जांच की गई, जहां टीडीएस मानक से काफी कम पाया गया। नगर पालिका के केमिस्ट सुरेश पंवार ने स्पष्ट किया कि पीने के पानी का टीडीएस 250 से 300 के बीच होना अनिवार्य है।

केमिस्ट बोले-पानी शुद्ध नहीं तो वाटर प्लांट होगा सील

नपा केमिस्ट ने वाटर प्लांट संचालक को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पानी की गुणवत्ता में तत्काल सुधार नहीं हुआ, तो प्लांट को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। सभी लिए गए नमूनों को विस्तृत जांच के लिए लैब भेजा जा रहा है, ताकि बीमारी के फैलने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

फोर ज़ीरो चौराहा पर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

नीमच। महिलाओं के खिलाफ फूल सिंह बरैया द्वारा की गई कथित अशोभनीय टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा का आक्रोश रविवार को फोर ज़ीरो भारत माता चौराहा पर फूट पड़ा। भाजपा महिला मोर्चा एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया का पुतला दहन कर जोरदार नारेबाज़ी की और उनके बयान की कड़ी निंदा की।

भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल ने कहा कि संवैधानिक पद पर रहते हुए महिलाओं के प्रति इस तरह की अपमानजनक भाषा अस्वीकार्य है। ऐसे बयान पूरे महिला समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं।

विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि फूल सिंह बरैया का बयान समस्त महिला वर्ग का अपमान है। कांग्रेस नेतृत्व सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी को तत्काल संज्ञान लेकर बरैया से इस्तीफा लेना चाहिए। साथ ही उन्हें अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान मीना जायसवाल, किरण शर्मा, छाया जायसवाल, निलेश पाटीदार, दारा सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

एसडीएम ने किया आयोजन स्थल का निरीक्षण

नीमच। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के गरिमामय आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

इसी क्रम में रविवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) संजीव साहू ने जिला मुख्यालय स्थित शासकीय बालक उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 के मैदान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आयोजन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।गौरतलब है कि इसी मैदान पर 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं भव्य बनाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। एसडीएम संजीव साहू ने निरीक्षण के दौरान मंच, परेड ग्राउंड, बैठक व्यवस्था, ध्वज फहराने की व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, साफ-सफाई एवं यातायात प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।जानकारी के अनुसार गणतंत्र दिवस समारोह की मुख्य रिहर्सल 24 जनवरी को संपन्न होगी, जिसमें परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य आयोजनों का अभ्यास किया जाएगा। 26 जनवरी को निर्धारित समय पर कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें शासन द्वारा नियुक्त मुख्य अतिथि द्वारा परेड की सलामी ली जाएगी तथा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा।समारोह के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो दर्शकों में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करेंगी। इसके साथ ही प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार विभिन्न शासकीय सम्मान, झांकियां एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

निरीक्षण के अवसर पर नायब तहसीलदार संजय मालवीय, नगर पालिका की मुख्य अधिकारी दुर्गा बामनिया, जिला शिक्षा अधिकारी एस.एम. मांगरिया सहित नगर पालिका, शिक्षा विभाग एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर में

जटिया जाटव समाज का पहला सामूहिक विवाह सम्मेलन बसंत पंचमी पर भादवा माता में

मनासा। जटिया जाटव समाज श्री राम जानकी मंदिर समिति, भाटखेड़ी (तहसील मनासा, जिला नीमच) की ओर से समाज जनों को स्नेहपूर्वक आमंत्रण। समाज का प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर महामाया भादवा माता (ब्राह्मण धर्मशाला), नीमच में आयोजित किया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों द्वारा समाज के गांव, नगर व शहरों में पंजीकरण एवं सहयोग हेतु भ्रमण किया गया, जिसमें समाज जनों ने मुक्तहस्त दान एवं सहयोग देकर समर्थन दिया। समिति ने सभी से अनुरोध किया है कि वे परिवार सहित सम्मेलन में पधारें और कार्यक्रम को सफल बनाएं। यदि किसी क्षेत्र में टीम नहीं पहुंच पाई है, तो वहां भी दान/सहयोग सम्मेलन में आकर दिया जा सकता है। समिति ने बताया कि लगभग 155 गांव/नगर/शहरों की दान-सहयोग सूची समाज के ग्रुपों में साझा कर दी गई है। समाज के वरिष्ठ महानुभावों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं माताओं की उपस्थिति इस कार्यक्रम की सफलता का मुख्य आधार होगी।

'अग्रणी महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन'

नीमच। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले के अग्रणी स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नीमच में नेशनल टास्क फोर्स के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य के प्रथम चरण में दिवसीय कार्यशाला /प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर प्रभावती भावसार की अध्यक्षता में किया गया। वक्ताओं के स्वागत से पूर्व मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलंकर कार्य का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा प्रशिक्षण देने हेतु उपस्थित परामर्शदाता श्रीमती नेहा शर्मा ।।स्रष्ट (चष्टचस-) और श्री नितेश कुमावत ष्ठ।। मेंटल परामर्शदाता का पुष्प हार द्वारा स्वागत किया गया।प्राचार्य के स्वागत उद्बोधन के पश्चात श्री नितेश कुमावत द्वारा किस प्रकार मानसिक तनाव उत्पन्न होता है और वह धीरे-धीरे कैसे मानसिक रोग में परिवर्तित होता है, उसके क्या लक्षण होते हैं, उपचार के दौरान हमें किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए उनको विस्तृत रूप में बताते हुए मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त करने की विभिन्न तकनीक एवं विधियों की विस्तृत जानकारी प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदान की। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. संजय जोशी और संयोजक श्री संजीव थोरेचा ने बताया, कि मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण पांच चरणों में प्रदान किया जाएगा, जिसमें नीमच जिले के विभिन्न शासकीय एवं अर्धशासकीय महाविद्यालयों के लगभग 50 अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने प्रथम चरण का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना पंचोली द्वारा किया गया और आभार क्रीड़ा अधिकारी श्री संजीव थोरेचा द्वारा व्यक्त किया गया।

खेलो एमपी यूथ गेम्स : दो दिवसीय प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ

▸ 468 युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दम

नीमच। खेलो एमपी यूथ गेम्स के अंतर्गत नीमच में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का भव्य, उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी शुभारंभ हुआ। शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 के खेल मैदान पर आयोजित इस आयोजन में जिलेभर से 468 युवा खिलाड़ियों ने पंजीयन कर विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।शुभारंभ अवसर पर मैदान तालियों, नारों और खेल भावना से गूंज उठा।जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के पहले दिन 16 खेल विधाओं में मुकाबले खेले गए। जिला खेल प्रशिक्षक मीनाक्षी सिसोदिया ने बताया कि इनमें खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, योग, जूडो, शतरंज, क्रिकेट, वेटलिफ्टिंग, बास्केटबॉल, हॉकी सहित अन्य खेल शामिल हैं। वहीं 19 जनवरी को स्विमिंग एवं रेसलिंग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।प्रतियोगिताओं में चयनित खिलाड़ी आगामी चरणों में जिले और प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। स्टेट लेवल के मुकाबले हॉकी, एथलेटिक्स, शतरंज, जूडो, खो-खो, स्विमिंग, टेबल टेनिस, कुश्ती एवं वेटलिफ्टिंग जैसी खेल विधाओं में 28 से 31 अगस्त के बीच इंदौर, शाहजहांपुर जैसे बड़े शहरों में आयोजित होंगे। वहीं संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं कबड्डी, योग, बास्केटबॉल, पीट्ठू, बैडमिंटन, क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल आदि खेलों में 21 से 26 जनवरी तक संभाग स्तर पर संपन्न होंगी।उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व जावद, मनासा एवं नीमच में ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं, जिनसे चयनित खिलाड़ी अब जिला स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसी क्रम में खेलो एमपी यूथ गेम्स योजना अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग नीमच तथा डिस्ट्रिक्ट चैस एसोसिएशन नीमच के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 18 जनवरी 2026 को टाउन हॉल नीमच में किया गया। प्रतियोगिता में जिले के 42 बालक एवं 12 बालिकाओं ने भाग लिया, जिनमें से 4 बालक एवं 4 बालिकाओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।ये सभी चयनित खिलाड़ी 28 से 30 जनवरी 2026 तक नर्मदापुरम में आयोजित राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेंगे।शुभारंभ अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

दो विद्युत केबल चोर गिरफ्तार

सिंगोली। विगत लंबे समय से क्षेत्र के किसानों के खेतों से हो रही विद्युत केबल की चोरी की शिकायतों के चलते थाना प्रभारी बी एल भाबर ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी बी एल भाबर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया एवं श्रीमान एसडीओपी रोहित राठोर जावद के मार्गदर्शन मे सिंगोली पुलिस टीम द्वारा चोरी के प्रकरण में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी हुई विद्युत केबल जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। दिनांक 16.01.2026 को फरियादी पारसमल पिता मोहनलाल धाकड उम्र 32 साल निवासी ग्राम फुसरिया थाना सिंगोली जिला नीमच (मप्र) ने रिपोर्ट की थी कि खेत पर लगी ट्युववेल से मेरी केबल कोई अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गये के व आस-पास के गाँव जराड, पटीयाल, धोगवा, फुसरिया आदि गावो से भी केबले चोरी हुई है जिससे गाँव वाले बहुत परेशान थे फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना सिंगोली पर अपराध कमांक 07/2026 धारा 303 (2) बीएनएस 2023 का कायम कर विवेचना में लिया गया जिस पर से थाना सिगोंली की टीम द्वारा कडी मेहनत के बाद 02 संदिग्ध आरोपियों को पकडा और पूछताछ की जिस पर आरोपियों ने आस-पास के क्षेत्रो में केबल चोरी करना स्वीकार किया।

एक नजर ▸ **विशेष आपात स्थिति में एयर एम्बुलेंस की तैयारी भी करे : कलेक्टर**

कलेक्टर ने नीमच एवं मनासा में ली चिकित्सकों, अधिकारियों और स्क्रीनिंग टीमों की बैठक

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने उपखंड मनासा एवं जिला चिकित्सालय नीमच में जीबीएस संदिग्ध रोगियों और सामान्य सर्दी-खांसी-बुखार के मरीजो की जांच, उपचार और रोग नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकों और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर एडीएम श्री बी.एस कलेश , एसडीएम श्री संजीव साहू, सुश्री किरण आंजना ज़ि.प.सीईओ पराग जैन ,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के खद्योत, सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र पाटिल ,सीएमओं नीमच दुर्गा बामनिया एवं अन्य अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित थे

कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्र मनासा में सर्वे कर रही सभी 15 टीमों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की और सर्वे टीम के सदस्य द्वारा सर्वे किए गए परिवारों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। नगरीय क्षेत्र में प्रथम राउंड का सर्वे सभी वार्डों में पूर्ण हो चुका है और लाइन लिस्टिंग कर ली गई है।

कलेक्टर ने घर-घर स्क्रीनिंग, सर्वे का दूसरा राउंड 18 जनवरी 2026 से पुन: प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए सभी लोगों को जीएसबी बीमारी से बचाव हेतु क्या करना है और क्या नहीं करना है, इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर ने कहा कि सभी लोग पानी उबालकर पीएं, हाथ धोएं, ताजा और ढका हुआ भोजन करें और उपचार की अवधि पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि खुला हुआ पानी नहीं पीना है, अशुद्ध या आधा पका हुआ खाना नहीं खाना है, खाने-पीने की चीजों को ढक कर रखना है, पीने के पानी के स्रोत के आसपास गंदगी व कूड़ा नहीं करना है और अपनी मर्जी से किसी अनुचित दवा का सेवन भी नहीं करना है। इस सम्बन्ध में आमजनों को जागरूक करने के निर्देश भी सभी को दिए है।

उन्होंने सभी नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रो में सामुदायिक स्थानों भवनों पर स्थित पेयजल टंकियो और स्त्रोतों का क्लोरीनेशन एवं साफ़- सफाई पुन: करवाने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ एवं सभी सी एम ओं को दिए है साथ ही सभी वाल्व चेम्बरो की पुन: चेकिंग कर आवश्यकता अनुसार सुधार करने के भी निर्देश दिए है। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में सभी चिकित्सको और स्टाफ को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए है।उन्होंने निर्देश दिए कि यथा संभव जिला चिकित्सालय में ही मरीजों का पर्याप्त नि:शुल्क एवं त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जावे। विशेष परिस्थितियों में ही किसी मरीज़ को अन्यत्र रेफर करे।

कलेक्टर ने प्राइवेट हॉस्पिटल से पिछले 7 दिनों में उपस्थित मरीजों की जानकारी लेकर, उनका फॉलोअप करने और उनकी यथासंभव मदद करने के निर्देश भी दिए है। आयुष विभाग को भी स्थानीय स्तर पर सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

> कलेक्टर ने विशेष आपातकालीन चिकित्सीय व्यवस्था के लिए जिले में एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की भी तैयारी रखने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियो को दिए है उन्होंने ने जो बच्चे डिस्चार्ज होकर आए हैं, उन्हें पोस्ट डिस्चार्ज केयर के लिए फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाए उपलब्ध कराने के साथ ही जिंक एवं ओआरएस के वितरण के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में मनासा निवासी भर्ती दो मरीजों के उपचार की व्यवस्था का जायजा लिया और परिजनों और चिकित्सको से चर्चा कर इन दोनों मरीजों के स्वास्थ्य में हो रहे सुधार की भी जानकारी ली।

जिला चिकित्सालय में उपचाररत उक्त दोनों मरीजों में जीबीएस के लक्षण नहीं पाये गए है। उनके स्वास्थ्य में तेज़ी से सुधार होना भी चिकित्सको द्वारा बताया गया है।